प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

भारत भूषण त्यागी ने वर्षों किया है जैविक खेती पर शोध

पंतनगर। 29 अप्रैल 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा अपने 32वें दीक्षांत समारोह में विज्ञान वारिधि की मानद उपाधि के लिए चुने गए प्रगतिशील कृषक, पद्मश्री भारत भूषण त्यागी, का प्रशस्ति पत्र पढ़ते हुए कुलपति, डा. तेज प्रताप, ने बताया कि श्री त्यागी का जैविक एवं प्राकृतिक खेती में महत्वपूर्ण योगदान है, जिसके लिए वे पूरे देश में विख्यात हैं। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में स्थित विहटा गांव में 4 जनवरी 1954 को जन्मे श्री भारत भूषण त्यागी ने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि लेने के उपरांत खेती की तरफ अपना रूख किया और महसूस किया कि जैविक खेती ही एक ऐसा विकल्प है, जिससे पर्यावरण, मृदा और मनुष्य स्वास्थ्य को सुरक्षित रखा जा सकता है। इसी विचार के साथ उन्होंने अनेक वर्षों तक कई प्रयोग किये जिसमें उन्होंने एक ही खेत में खाद्यान्न, सब्जी, बागवानी और इमारती लकड़ी की खेती की।

वर्ष 1996 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों में जैविक खेती के प्रति लोगों को जानकारी और जागरूकता के लिए श्री त्यागी ने जन–जागरूकता कार्यक्रम चलाया। त्यागी जी सीधे तौर पर साठ हजार किसान से जुड़े और दो लाख से ज्यादा किसानों से संपर्क किया। वे अभी तक 12 हजार बेरोजगार ग्रामीण युवाओं को जैविक खेती के विकास के लिए मधुमक्खी पालन पर प्रशिक्षण दे चुके हैं। उन्होंने 2007 से राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम के अन्तर्गत पीजीएस प्रमाणीकरण के माध्यम से प्रमाणीकरण प्रक्रिया के लिए 200 किसान समूहों को जोड़ा है। त्यागी जी ने राष्ट्रीय स्तर पर आईएआरआई, एनसीओएफ, आईसीसीओए, एनएचएम, नाबार्ड, आत्मा इत्यादि, अनेक संस्थाओं के साथ जैविक खेती के प्रति जागरूकता में अहम भूमिका निभाई है।

इसके अतिरिक्त त्यागी जी द्वारा हिंडन नदी के जलग्रहण क्षेत्र में जैविक खेती द्वारा इस नदी के पुर्नसंरक्षण तथा 'स्वच्छ भारत अभियान' में भी सक्रिय रूप में भागीदारी की गयी। चेतना विकास स्वराज ट्रस्ट के अंतर्गत वे 8 राज्यों के 130 स्वयं सहायता समूहों के लिए जैविक प्रमाणीकरण कार्यक्रम चला रहे हैं।

त्यागी जी को कृषि, विशेषकर जैविक खेती, में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए अनेक पुरस्कार एवं सम्मानों से सुशोभित किया जा चुका है, जिनमें आईसीसीओए द्वारा 2018 में 'सर्वोत्तम जैविक किसान अवार्ड', वर्ष 2017 में ऑर्गेनिक इण्डिया द्वारा ऑर्गेनिक वर्ल्ड कांग्रेस में प्रथम 'धरती मित्र अवार्ड' के साथ सोनालिका, भारत सरकार के कृषि मंत्रालय, आईएआरआई एवं आईएआरटी द्वारा 'प्रगतिशील किसान अवार्ड', सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें उदय रतन अवार्ड, दूरदर्शन किसान सम्मान अवार्ड और नवोन्मेषी किसान अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। वर्ष 2019 में श्री त्यागी को पद्मश्री अवार्ड से भी नवाजा गया। इनके साथ ही उत्तर प्रदेश व गुजरात के मुख्यमंत्री तथा हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक की सरकारों द्वारा भी उन्हें कृषि में योगदान के लिए सम्मानित किया गया है।

विज्ञान वारिधि की मानद उपाधि प्राप्त करने के बाद दीक्षान्त समारोह में संबोधित करते पद्मश्री भारत भूषण त्यागी।